

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०
(राजभवन सूचना परिसर)

राज्यपाल ने सीनियर राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के समापन समारोह में किया प्रतिभाग

खेल में खेल भावना ही सबसे जरूरी

विश्वविद्यालयों द्वारा खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के
लिए कुशल प्रशिक्षकों की व्यवस्था की जाय
—राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ 19 अगस्त, 2022

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यू०पी० जूडो एसोसिएशन द्वारा के०डी० सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय सीनियर राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के समापन समारोह में प्रतिभाग कर प्रतियोगिता का समापन किया। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश के साथ ही पूरे भारत वर्ष के खिलाड़ी जूडो एवं सेल्फ डिफेन्स की न केवल ट्रेनिंग बल्कि अपने प्रदेश व देश के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेडल भी प्राप्त कर रहे हैं। राज्यपाल जी ने कहा कि यू०पी० जूडो एसोसिएशन को भारत में जूडो जगत में प्रतियोगिता के आयोजन का एक मजबूत स्तम्भ माना जाता है। यह एसोसिएशन के लिए गर्व की बात है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हम सबके लिए यह गौरव की बात है राष्ट्रमण्डल खेलों में जूडो के कुल तीन खिलाड़ियों ने पदक जीते, जिसमें सुशीला व तुकीलामान ने रजत पदक और उत्तर प्रदेश के विजय कुमार यादव ने कांस्य पदक जीतकर दुनिया में भारत का मान बढ़ाया है।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार संयुक्त रूप से देश व प्रदेश में खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिए हर प्रकार की सुविधाएं प्रदान कर रही हैं ताकि हमारे खिलाड़ी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ओलम्पिक तक पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रतिभागी खिलाड़ियों को देखकर यह लगता है कि उन्हें समुचित भोजन तथा बेहतर प्रबंधन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में प्रत्येक विश्वविद्यालयों द्वारा खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिए कुशल प्रशिक्षकों की भी व्यवस्था की जा रही है ताकि खिलाड़ी उनके मार्गदर्शन में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन कर सकें।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि उभरते खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए उनके रहने, खाने आदि के बेहतर प्रबंध की आवश्यकता होती हैं। अतः समाज के प्रतिष्ठित लोग इस कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग करें ताकि ऐसे आयोजन आसानी से सम्पन्न कराये जा सकें। उन्होंने कहा कि मैं यहां पर यह अवश्य बताना चाहूंगी कि विगत दिनों जूडो एसोसिएशन द्वारा दिया गया स्पेशल जूडो प्रशिक्षण कैम्प राजभवन परिवार की बालिकाओं के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ। उन्होंने कहा कि खेल में खेल भावना ही सबसे जरूरी होती है। खिलाड़ी का यह मानना कि वह खेल ही नहीं सकता, वह गलत होता है। खिलाड़ी हमेशा यह मानकर चले वह प्रतिभाग करेगा और वह खेल खेलेगा तभी खेलों को खेल भावना से खेल पायेगा।

अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि सीनियर राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में बर्मिंघम में सम्पन्न कामनवेल्थ गेम्स में भारत ने जूडो प्रतियोगिता में तीन मेडल प्राप्त किये और भविष्य में तीनों खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत को जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय सीनियर राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता समापन समारोह के अन्तिम दिन खिलाड़ियों ने अपना दमखम और जूडो के कौशल दिखाये। 78 किलोग्राम महिला फाइनल बाउट में मणिपुर की सुश्री इन्दूबाला देवी ने केरल की सुश्री अस्वती को हराकर गोल्ड मेडल जीता और अस्वती ने सिल्वर मेडल जीता। इसी क्रम में पुरुष फाइनल बाउट में आल इण्डिया पुलिस (पंजाब पुलिस) पूर्व ओलंपियन श्री अवतार सिंह ने बी0एस0एफ0 के श्री शुभम सिंह को हराकर गोल्ड मेडल जीता और शुभम ने रजत पदक प्राप्त किया।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने उन खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जिन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व कर कई अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीते। कुछ खिलाड़ी जिन्होंने ओलम्पिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इसके साथ ही वो जूडो खिलाड़ी जिनको भारत सरकार ने अर्जुन अवार्ड द्वारा सम्मानित किया है।

कार्यक्रम में यू0पी जूडो एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री सुधीर शंकर हलवासिया, सी0ई0ओ0 श्री मुनव्वर अंजार, श्री योगेश अग्रवाल तथा एसोसिएशन के पदाधिकारीगण व खिलाड़ी भी उपस्थित थे।

